

भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर, मोदीपुरम, मेरठ (उ.प्र.)

प्रशिक्षण कार्यक्रम “आलू उत्पादन की उन्नत तकनीक” का आयोजन

भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर पर मैसर्स गोदरेज एगोवेट लिमिटेड, मुम्बई के 25 तकनीकी एवं विक्रय अधिकारियों हेतु “आलू उत्पादन की उन्नत तकनीक (Improved technologies of potato production)” विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन दिनांक 11-12 अक्टूबर, 2018 के दौरान किया गया। दिनांक 11 अक्टूबर, 2018 को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अधिकारी डॉ आजाद सिंह पँवार, निदेशक भाकृअनुप-भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम रहे। परिसर के संयुक्त निदेशक डॉ मनोज कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान बताई गईं आलू उत्पादन की उन्नत तकनीकों को सीख कर अपने-अपने क्षेत्रों के किसानों को बताकर आवश्यकतानुसार कृषि रसायनों का उपयोग करके आलू की खेती की लागत कम करके उनकी आय दुगुनी करने का आह्वान किया। प्रयोजक संस्था के प्रशिक्षण समन्वयक डॉ मनमोहन सिंह ने अपनी संस्था एवं उत्पादों के विषय में बताया। समारोह के मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षार्थियों को अपनी संस्था और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर ही अपने उत्पादों के उपयोग के विषय किसानों को बताने की सलाह दी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आलू उत्पादन की उन्नत तकनीक – आलू के अनुसंधान एवं विकास का आधुनिक परिदृश्य, आलू की उन्नत प्रजातियाँ, उत्पादन की सस्य क्रियाएँ, सिंचाई जल का उचित प्रबंधन, पोषक तत्वों का प्रबंधन, आलू फसल के प्रमुख कीट और उनका समेकित प्रबंधन, आलू बीज उत्पादन तकनीक, प्रमुख रोग और उनकी रोकथाम, विषाणु रोगों की पहचान और उनका प्रबंधन, भंडारण की आधुनिक विधियाँ आदि विषय पर व्याख्यानों का आयोजन हुआ। जिनमें प्रतिभागियों ने रुचिपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें संयुक्त निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। अपने सम्बोधन में प्रतिभागियों से पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के प्रचार एवं उनकी संतुलित मात्रा के उपयोग करने की सलाह किसानों को देने एवं उनकी आय बढ़ाने वाले के लिए कार्य करने अनुरोध किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुज भटनागर, प्रधान वैज्ञानिक ने किया।

